

## ग्वालियर में बनेगी प्रदेश की पहली एरोपॉनिक तकनीक आधारित लैब

### चर्चा में क्यों?

4 मई, 2022 को वषिणु रोगरहति आलू बीज उत्पादन के लिये एरोपॉनिक वधिका भारतीय कृषि अनुसंधान परषिद् (आईसीएआर) और मध्य प्रदेश सरकार के साथ दलिली में अनुबंध हुआ ।

### प्रमुख बदि

- भारतीय कृषि अनुसंधान परषिद् (आईसीएआर) में केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शमिला ने हवा में आलू के बीज उत्पादन की यह अनूठी तकनीक वकिसति की है ।
- मध्य प्रदेश के उद्यानिकी वभिाग को इस तकनीक का लाइसेंस देने के लिये यह अनुबंध कयिा गया है । अनुबंध के अनुसार ग्वालियर में प्रदेश की पहली एरोपॉनिक तकनीक आधारित लैब स्थापति होगी ।
- मध्य प्रदेश के उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सहि कुशवाह ने कहा कि एरोपॉनिक तकनीक आलू बीज की जरूरत को काफी हद तक पूरा करेगी । कसिानों की आय को दोगुना करने में यह तकनीक कारगर भूमिका नभिाएगी ।
- गौरतलब है कि मध्य प्रदेश आलू का छठा सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है । प्रदेश का मालवा क्षेत्र आलू उत्पादन में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिाता है । प्रदेश में प्रमुख आलू उत्पादक क्षेत्र इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, भोपाल तथा प्रदेश के अन्य छोटे क्षेत्र छदिवाड़ा, सीधी, सतना, रीवा, राजगढ़, सागर, दमोह, छदिवाड़ा, जबलपुर, पन्ना, मुरैना, छतरपुर, वदिशिा, रतलाम एवं बैतूल हैं ।
- प्रदेश के उद्यानिकी आयुक्त ई. रमेश कुमार ने कहा कि मध्य प्रदेश को लगभग 4 लाख टन बीज की आवश्यकता है, जसि 10 लाख मन्ी ट्यूबर उत्पादन कषमता वाली इस तकनीक से पूरा कयिा जाएगा । ग्वालियर में 'एक ज़िला- एक उत्पाद' में आलू फसल का चयन कयिा गया है ।
- उल्लेखनीय है कि एरोपॉनिक के ज़रयिे पौषक तत्त्वों का छड़िकाव मसिटगि के रूप में जड़ों में कयिा जाता है । पौधे का ऊपरी भाग खुली हवा और प्रकाश में रहता है । एक पौधे से औसत 35-60 मनिकिंद (3-10 ग्राम) प्राप्त कयिा जाते हैं । चूँकि, मटिटी का उपयोग नहीं होता, इसलिये मटिटी से जुड़े रोग नहीं होते हैं ।